## एक नजर में

### आंगनबाडी कार्यकर्ता की सूची आई

**गुना।** महिला एवं बाल विकास विभाग जिला गुना के अंतर्गत परियोजना गुना ग्रामीण, गुना शहरी, बमोरी, चांचौडा, आरोन एवं राघौगढ़ के रिक्त आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आंगनबाडी कार्यकर्ता एव सहायिकाओं के आवेदन ऑनलाइन आमंत्रित किये गये थे। जिसमें से 7 अगस्त 25 को महिला एवं बाल विकास परियोजना गुना शहरी द्वारा एमपी ऑनलाइन चयन पोर्टल के माध्यम से अनंतिम सूची प्रकाशित की जा चुकी है।
अन्य परियोजना मे भी अनंतिम सूची जारी किये जाने प्रचलित है, अनंतिम चयन सूची के प्रकाशन दिनांक से 07 दिवस के अंतर दावा आपत्ति ऑनलाइन चयन पोर्टल पर दर्ज करा सकते है।

### नि:शुल्क सिलाई प्रशिक्षण 14 से

**गुना।** रोटरी क्लब गुना द्वारा नि:शुल्क सिलाई एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण शिविर रोटरी भवन गुना में जल्द शुभारंभ करने जा रहा है। रोटरी मिडिया प्रभारी विकास जैन न ने बताया कि अगस्त माह से रोटरी क्लब गुना द्वारा नगर की महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से निःशुल्क सिलाई एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण शिविर एवं विशेष टैली अकाउंटिंग प्रशिक्षण का आरंभ रोटरी भवन गुना में होने जा रहा हे। जिसके आवेदक फॉर्म प्राप्ति एवं जमा स्थान रोटरी भवन गुना, गायत्री मंदिर के पास सुबह 9 बजे से सांयकाल 6 बजे तक उपलब्ध हे।

# भाई-बहन के स्नेह का पर्व उमंग के साथ मनाया

## राखी के रंग से सजा गुना, खास आयोजनों ने बढ़ाई मिठास

**नवभारत न्यूज**

**गुना 9 अगस्त का। भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और सुरक्षा के व्रत का प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व जिलेभर में शनिवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही बाजारों में रौनक रही और दिनभर शुभ मुहूर्त होने से बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर मंगलकामनाएं दीं। त्योहार के रंग सरकारी, सामाजिक और धार्मिक संस्थानों में भी नजर आए।**

कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने लाड़ली लक्ष्मी और लाड़ली बहना योजना से जुड़ी बहनों के साथ कलेक्टर निवास पर रक्षाबंधन मनाया, वहीं जिला जेल में बंद भाइयों से मिलने के लिए बहनों की भीड़ उमड़ी। वृद्धाश्रम 'आनंद धाम' में वरिष्ठ नागरिकों के साथ राखी का उत्सव मनाया गया तो गायत्री शक्ति पीठ में यज्ञ और रक्षा सूत्र बांधने की परंपरा निभाई गई। पर्यावरण प्रेमियों ने भी इस दिन को खास बनाया। गुनिया नदी के संरक्षण का संदेश देते हुए सामाजिक कार्यकर्ताओं ने 51 फीट लंबा रक्षा सूत्र बांधा और जल को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। पूरे जिले में रक्षाबंधन सिर्फ रिश्तों का नहीं, बल्कि संवेदनाओं, सामाजिक जिम्मेदारी और प्रकृति संरक्षण का भी पर्व बनकर सामने आया।

**रक्षाबंधन पर गुना जिला जेल में खुली मुलाकात, बहनों ने भाइयों को बांधी राखी**

वहीं रक्षाबंधन के अवसर पर सोमवार को जिला जेल में बंद भाइयों से मिलने और उन्हें राखी बांधने के लिए खुली मुलाकात का आयोजन किया गया। सुबह 10 बजे से ही जेल परिसर में बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंचीं और भाइयों को तिलक लगाकर राखी बांधी तथा मिठाई खिलाई। इस बार गुना उपजेल में कैदियों की संख्या लगभग 470 तक पहुंच गई है, जो पिछले वर्षों के औसत 250 के मुकाबले लगभग दोगुनी है। कैदियों की अधिक संख्या के कारण इस बार बहनों की भीड़ भी काफी बढ़ी, जिसके चलते जेल प्रशासन ने विशेष व्यवस्था की। हर साल जेलर कार्यालय के सामने के हॉल में मुलाकात होती थी, लेकिन भीड़ को देखते हुए इस बार जेल के अंदर एक बड़ी खुली जगह में टेंट लगाकर व्यवस्था की गई। भीड़ नियंत्रण के लिए एक बार में 50 से 70 महिलाओं को ही प्रवेश दिया गया। अंदर पहुंचने के बाद बहनों ने भाइयों के साथ रक्षाबंधन मनाया और भावुक माहौल में उन्हें शुभकामनाएं दीं। मुलाकात के दौरान जेल प्रबंधन की ओर से बाहर इंतजार कर रही महिलाओं और परिजनों के लिए नाश्ते की व्यवस्था भी की गई थी।

### गायत्री परिवार ने भी निभाई परंपरा

वहीं, गायत्री परिवार गुना ने गायत्री शक्ति पीठ पर रक्षाबंधन का विशेष आयोजन किया। जिला युवा प्रकोष्ठ के समन्वयक ने बताया कि परम पूज्य गुरुदेव पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य ने 'अखण्ड ज्योति' में रक्षाबंधन की उत्पत्ति का उल्लेख किया है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, गुरु बृहस्पति ने मंत्रशक्ति से इंद्र की कलाई पर रक्षासूत्र बांधा था, जिससे असुरों का आतंक समाप्त हो गया और उसी समय से रक्षाबंधन का पर्व प्रारंभ हुआ। गायत्री शक्ति पीठ में दिन की शुरुआत विशेष स्नान के साथ हुई। इसके बाद यज्ञ संपन्न हुआ, जिसमें उपस्थित सभी लोगों ने एक-दूसरे को रक्षा सूत्र (कलावा) बांधा। इस अवसर पर सभी ने संकल्प लिया कि वे अपने समय, श्रम, प्रतिभा, क्षमता और धन का एक अंश युग निर्माण योजना की सफलता और विचार क्रांति के लिए समर्पित करेंगे। गायत्री परिवार के सदस्यों का कहना था कि रक्षा सूत्र केवल एक धागा नहीं, बल्कि एक संकल्प और प्रेरणा है, जो समाज में एकता, सुरक्षा और सहयोग की भावना को मजबूत करता है।

## कलेक्टर ने लाड़ली लक्ष्मी और लाड़ली बहना के साथ मनाया रक्षाबंधन का त्यौहार

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने लाड़ली लक्ष्मी एवं लाड़ली बहना योजना से जुड़ी बहनों के साथ हर्षोल्लास से त्योहार मनाया। कलेक्टर निवास पर आयोजित इस स्नेहिल समारोह में बहनों ने कलेक्टर श्री कन्याल को राखी बांधकर उनके मंगलमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर लाड़ली लक्ष्मी अवनी तिवारी, दीपाली शर्मा, संस्कृति शर्मा, शिवांगी शर्मा, रिया शर्मा, आयुषी शर्मा एवं लाड़ली बहना वंदना शर्मा, साधना चौहान, सोनम भिलवारे, रानी खटीक द्वारा कलेक्टर श्री कन्याल को तिलक लगाकर रक्षासूत्र बांधा। कलेक्टर श्री कन्याल ने सपत्नीक बहनों का पुष्पवर्षा एवं उपहार देकर सम्मान किया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के स्नेह का प्रतीक नहीं, बल्कि परस्पर सुरक्षा, विश्वास और सहयोग की भावना को भी मजबूत करता है। अपने संदेश में उन्होंने जिलेवासियों को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा, किसी भी आपदा या चुनौती के समय हमें एकजुट रहकर, भाईचारे और सहयोग की मिसाल पेश करनी चाहिए। सामूहिक प्रयासों से हम गुना जिले को विकास और खुशहाली की ओर अग्रसर कर सकते हैं। इस अवसर पर महिला बाल विकास पर्यवेक्षक रचना शर्मा, सहायक ग्रेड-2 निधी शर्मा भी उपस्थित रहीं।

# आनंद धाम में रक्षाबंधन का उत्सव

शहर के वृद्धाश्रम 'आनंद धाम' से लेकर गायत्री शक्ति पीठ तक रक्षाबंधन के रंग बिखरे। वरिष्ठ नागरिक परिसंघ एवं अखिल भारतीय कायस्थ महासभा (मध्य भारत) गुना के जिला अध्यक्ष बृजेश कुमार श्रीवास्तव वृद्धाश्रम 'आनंद धाम' वरिष्ठ जन सेवा केंद्र, कैंट पहुंचे। यहां उन्होंने महिला हितग्राहियों, भोजनशाला में कार्यरत बहनों और सफाई कर्मी बहनों से राखी बंधवाकर उनका आशीर्वाद लिया और उपहार स्वरूप राशि भेंट की।

इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिक परिसंघ के आजीवन सदस्य एवं समाजसेवी प्रताप सिंह परिहार, आनंद धाम के प्रबंधक मुन्नालाल यादव, नरेन्द्र सिंह सेंगर और दिनेश सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। आनंद धाम में निवासरत महिला हितग्राहियों ने पुरुष हितग्राहियों को राखी बांधी और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास से मनाया। सभी ने संकल्प लिया कि वे आपस में मिलजुलकर रहेंगे और एक-दूसरे का सहयोग करते हुए प्रेमपूर्वक जीवन बिताएंगे।

## गुनिया नदी को बांधा 51 फुट लंबा रक्षा सूत्र

इधर रक्षाबंधन के अवसर पर गुना के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण और जल बचाव का संदेश देने के लिए गुनिया नदी को 51 फीट लंबा रक्षा सूत्र बांधा। कार्यकर्ताओं ने नदी तट पर पूजा-अर्चना कर जल को जीवन का आधार बताते हुए इसे स्वच्छ और सुरक्षित रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने कहा कि जैसे भाई-बहन एक-दूसरे की रक्षा का वचन देते हैं, वैसे ही हमें नदियों और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करनी चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियों को भी इसका लाभ मिल सके।

# मधुसूदनगढ़ पुलिस ने ढोकापुरा चोरी का किया खुलासा

**गुना।** पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी के निर्देशन में जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में मधुसूदनगढ़ थाना पुलिस ने ग्राम ढोकापुरा में हुई चोरी की सनसनीखेज वारदात का खुलासा करते हुए चोर गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब आधा किलो चांदी के आभूषण बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 5-6 जुलाई 2025 की रात मधुसूदनगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम ढोकापुरा निवासी माखन सिंह गुर्जर के घर में चार अज्ञात बदमाश घुस आए। बदमाशों ने परिजनों को डराकर आभूषण और नगदी चुरा ली। घटना के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अप.क्र. 136/25 धारा 331(6), 305, 351(3) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की। पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी ने घटना को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की शीघ्र पहचान और गिरफ्तारी के निर्देश दिए। निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानसिंह ठाकुर के मार्गदर्शन और डीएसपी पुलिस मुख्यालय जमील उद्दीन सिद्दीकी के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक संदीप यादव ने टीम के साथ सक्रियता दिखाई। टीम ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया और तकनीकी संसाधनों का सहारा लेते हुए आरोपियों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने संदेही संतोष पुत्र बाबूलाल पारदी (45) निवासी ग्राम मुरादपुर, थाना धरनावदा, जिला गुना को हिरासत में लिया। पूछताछ में संतोष ने खुलासा किया कि वह एक चोर गिरोह का सदस्य है और उसके गिरोह ने ढोकापुरा के अलावा मधुसूदनगढ़ क्षेत्र में अन्य स्थानों पर भी चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है। साथ ही, उसने यह भी स्वीकार किया कि उनके गिरोह ने शिवपुरी जिले के बैराढ़ और राजगढ़ जिले के ब्यावरा में भी चोरियां की हैं।
पुलिस ने आरोपी संतोष पारदी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे पुलिस रिमांड पर भेजा गया। रिमांड के दौरान आरोपी की निशानदेही पर करीब आधा किलो चांदी के आभूषण बरामद किए गए। पुलिस ने गिरोह के अन्य सदस्यों की भी पहचान कर ली है, जो सभी धरनावदा थाना क्षेत्र के निवासी हैं। इनकी तलाश में पुलिस की विशेष टीमें लगातार दबिश दे रही हैं और शीघ्र गिरफ्तारी की संभावना है। गिरफ्तार आरोपी से मधुसूदनगढ़ क्षेत्र में हुई अन्य चोरी की घटनाओं के बारे में भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस का मानना है कि गिरोह की पूरी गिरफ्तारी के बाद कई और चोरी की वारदातों का खुलासा हो सकता है। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक संदीप यादव, उकावद चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक रवि भिलाला, सहायक उपनिरीक्षक अजय सिंह चौहान, महेंद्र सेंगर, प्रधान आरक्षक महेंद्र पाल, संदीप खटीक शामिल रही।

## स्वदेशी अपनाओ, विदेशी भगाओ बैठक आज

**गुना।** स्वदेशी अपनाओ, विदेशी भगाओ के नारे के साथ जिले में स्वदेशी जागरण मंच एवं कैट संयुक्त रूप से बड़ा अभियान शुरू करने जा रहे हैं। यह कार्यक्रम 10 अगस्त को प्रातः 11.30 बजे लक्ष्मीगंज में आयोजित होगा, जहां शंखनाद के साथ स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग और विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार का संकल्प लिया जाएगा। कैट के प्रदेश सचिव राजेश अग्रवाल और जिला अध्यक्ष प्रवीण सोमानी ने बताया कि 3 अगस्त को दिल्ली में स्वदेशी जागरण मंच और देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कैट की बैठक हुई थी। इसी कड़ी में गुना जिले में भी यह अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। कैट पदाधिकारियों ने जिले के सभी व्यापारियों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में 10 अगस्त को कार्यक्रम स्थल पर पहुंचें और इस अभियान को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि हमें व्यापारियों और उपभोक्ताओं को यह समझाना होगा कि स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा, हमें आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में भी योगदान देगा।

# हाईवे पर हादसे के बाद गौ सेवकों का चक्का जाम, पशु मंडी हटाने की मांग

**गुना।** शहर से लगे पिपरौदा के पास ललुआ टोर हाईवे पर देशी ठाट ढाबा के समीप गत रात हुए हादसे में चार से पांच गायों की मौत के बाद शनिवार को गौ सेवकों ने हाईवे पर चक्का जाम कर दिया। गौ सेवकों ने आरोप लगाया कि हाईवे किनारे लगने वाली पशु मंडी में ग्रामीण अपने आवारा जानवरों को छोड़ जाते हैं। यह मंडी हाईवे से सटी होने के कारण मवेशी अक्सर सडक पर आ जाते हैं और यहां बैठ जाते हैं, जिससे खासकर रात के समय वाहन टकरा जाते हैं और हादसे होते हैं। इस बार के हादसे में भी कई गायों की जान चली गई, जिससे गौ सेवकों में गुस्सा फैल गया।
गौ सेवकों का कहना था कि जब तक इस पशु मंडी को यहां से हटाया नहीं जाता, तब तक सडक हादसे रुक नहीं सकते। उनका कहना है कि यह जगह मवेशियों के बैठने और घूमने के लिए बेहद खतरनाक है, क्योंकि हाईवे पर तेज रफ्तार से दौड़ते वाहन उन्हें देखकर भी समय पर रुक नहीं पाते। इस संबंध में कई बार स्थानीय प्रशासन और सरपंच को अवगत कराया गया, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। शनिवार को हादसे की जानकारी मिलते ही गौ सेवक और ग्रामीण मौके पर एकत्रित हुए और हाईवे पर जाम लगा दिया। घटनास्थल पर सरपंच रामकृष्ण कुशवाह को बुलाया गया, लेकिन उनके नहीं पहुंचने पर भीड़ ने 'सरपंच मुर्दाबाद' के नारे लगाए। इस दौरान ट्रकों और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और करीब एक घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस अधिकारियों ने गौ सेवकों को आश्वस्त किया कि यहां पशु मंडी नहीं लगेगी और इस संबंध में कार्रवाई की जाएगी। आश्वासन मिलने के बाद गौ सेवकों ने चक्का जाम खत्म किया और यातायात पुनः बहाल हो सका। गांव के लोगों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब इस मंडी के कारण हादसा हुआ है। पहले भी कई मवेशियों की जान जा चुकी है, लेकिन प्रशासन ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। अब अगर समय रहते मंडी नहीं हटाई गई तो भविष्य में और भी बड़े हादसे हो सकते हैं। वहीं, गौ सेवकों ने चेतावनी दी है कि यदि आश्वासन के बाद भी मंडी हटाई नहीं गई तो वे फिर से उग्र आंदोलन करेंगे।

# आदिवासी दिवस पर निकली रैली का प्रतिनिधियों ने किया जोरदार स्वागत

**नवभारत न्यूज**

**मारकीमहू। शनिवार को ग्राम मारकीमहू में विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में रैली निकाली गई। जिसमें उपस्थित मंडल अध्यक्ष मोहन बरेला, कैलाश बारेला, ओर समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।**

सभी का स्वागत मारकी महू सरपंच निवास पर सरपंच प्रतिनिधि सुनील राठौर पुरानचंद राठौर पूर्व सरपंच विजय सिंह धाकड़ थूनिया बैरागी रवि धाकड़, मुरारी लाल राठौर, शिशुपाल रजक, रामजीलाल, राजाराम, गोलू, दुर्गेश आदि ने सभी का पुष्प फूल माला से स्वागत किया।

## बाइक सवार की टक्कर

**गुना।** जिले के बमोरी थाना क्षेत्र में मोटरसाइकिल की टक्कर से एक युवक घायल हो गया। घटना गत सुबह करीब 8:30 बजे ग्राम भैसाटोरी के पास वंशी भिलाला के खेत के पास हुई। घायल पवन पुत्र परमानंद अहिरवार निवासी बमोरी ने बताया कि वह अपने साथी साहिद खां के साथ मारकी महू हाट बाजार जा रहा था। पवन स्वयं मोटरसाइकिल चला रहा था और साहिद पीछे बैठा था। जैसे ही वे भैसाटोरी पहुंचे, सामने से एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल एमपी 08-7824 के चालक राकेश सहरिया, निवासी भैसाटोरी, ने तेज और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल में सीधी टक्कर मार दी। जिसमें वह घायल हो गया। घटना के बाद साहिद खां ने डायल 100 को सूचना दी।


**कार्यालय नगरपालिका परिषद, गुना जिला गुना (म.प्र.)**

क्रमांक/2273/ईनिविदा/2025-26 गुना दिनांक 09/08.2025

**विज्ञप्ति क्रमांक 07/ई-निविदा/न.पा. गुना / 2025-26**

निविदा विज्ञप्ति सूचना द्वारा निम्न कार्य हेतु ऑन लाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है। अतः जो ठेकेदार इस कार्य को करने हेतु इच्छुक हों वे अपनी-अपनी ऑनलाइन निविदाऐं म.प्र.न.प्र. एवं वि.वि. एस.ओ.आर. दिनांक 02.08.2021 से प्रभावशील पर कम/अधिक/एटपार प्रतिशत दर पर प्रस्तुत कर सकते हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइड https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

| क्रं | टेण्डर नम्बर | कार्य का नाम | पी.ए.सी (लाख) ई.एम.डी (रू.) निविदा प्रपत्र की राशि | निविदा प्रपत्र खरीदने की अंतिम तिथि | 1 कार्य की समयावधि 2 आमंत्रण |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | 2025_UAD_443189_1 | नगरपालिका क्षेत्र वार्ड न. 01 से 04 तक में नाली/ रैम्प/सीसी/ अन्य निर्माण/ मरम्मत कार्य। | रू. 20.33 लाख रू. 20330/- केवल रू. 5000.00 | 15.09.2025 | 1-6 माह 2-प्रथम आमंत्रण |
| 2 | 2025_UAD_443190_1 | नगरपालिका क्षेत्र वार्ड न. 05 से 08 तक में नाली/ रैम्प/सीसी/ अन्य निर्माण/ मरम्मत कार्य। | रू. 20.33 लाख रू. 20330/- केवल रू. 5000.00 | 15.09.2025 | 1-6 माह 2-प्रथम आमंत्रण |
| 3 | 2025_UAD_443192_1 | नगरपालिका क्षेत्र वार्ड न. 09,35, 36,37 नाली/ रैम्प/सीसी/ अन्य निर्माण/ मरम्मत कार्य। | रू. 20.33 लाख रू. 20330/- केवल रू. 5000.00 | 15.09.2025 | 1-6 माह 2-प्रथम आमंत्रण |

मध्य प्रदेश शासन, नगरीय विकास एवं आवास विभाग मंत्रालय पत्र क एफ-237/ 2024 / 18-2 दिनांक 06/09/2024 का कड़ाई से पालन किया जावेगा।

नोट-
1 टैण्डर कय करने एवं डालने की अंतिम तिथि 15/09/2025 सॉय 5.30
2 टैण्डर खोलने की तिथि 17/09/2025 प्रातः 11.30

श्रीमति सविता अरविन्द गुप्ता
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, गुना (म.प्र.)

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, गुना (म.प्र.)


**धर्म** आचार्यश्री की पूजन, मुनिराजों को राखी बांधकर व्यक्त की नि:स्वार्थ सेवा और करुणा की भावना

# निर्यापक मुनिश्री योग सागरजी ने दी वात्सल्य और रक्षा की प्रेरणा

**नवभारत न्यूज**

**गुना।** सकल दिगंबर जैन समाज द्वारा आयोजित तीन दिवसीय रक्षाबंधन विधान का समापन आचार्यश्री की पूजन और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ किया गया। यह विशेष अवसर निर्यापक मुनिश्री योग सागरजी महाराज के संसघ सानिध्य में सम्पन्न हुआ, जिसमें समाजजन ने मुनिराजों एवं ऐलक-क्षुल्लक महाराज को उनकी पिच्छिका में राखी बांधकर इस पर्व को उत्साहपूर्वक मनाया। इस दौरान वात्सल्य, रक्षा और निस्वार्थ सेवा की भावना का संदेश पूरे वातावरण में गूंजता रहा। अपने धर्मोपदेश में मुनिश्री योग सागरजी महाराज ने कहा कि संतों का हृदय नवनीत (मक्खन) के समान

कोमल होता है, जो दूसरों के कष्ट देखकर पिघल जाता है। उन्होंने रक्षाबंधन की ऐतिहासिक कथा सुनाते हुए बताया कि हजारों वर्ष पूर्व, अरहनाथ भगवान के काल में हस्तिनापुर (उत्तर प्रदेश) में 700 मुनिराजों पर घोर उपसर्ग आया था। उस समय दूर स्थान पर विराजमान एक मुनिराज ने रात्रि के आकाश में तारे को देखकर संकट का आभास किया और बताया कि केवल विष्णुकुमार मुनिराज, जिन्हें विक्रिया रिद्धि प्राप्त थी, इस संकट को दूर कर सकते हैं। विष्णुकुमार मुनिराज ने अपने मुनिपद का त्याग कर ब्राह्मण का वेश धारण किया और राजा बलि से तीन पद जमीन भिक्षा में मांगी। उस वरदान के बल पर उन्होंने अपनी रिद्धि का प्रयोग कर 700 मुनिराजों की रक्षा की। उपसर्ग सात दिनों तक चला और अंततः दूर हुआ, जिसके बाद हस्तिनापुर में उल्लास का माहौल बना और लोगों ने मुनिराजों की सेवा करते हुए खीर और तरल पेय पदार्थ का आहार दिया।

मुनिश्री ने कहा कि अपने साधर्मी पर आई विपत्ति को दूर करना ही सच्चा वात्सल्य है। उन्होंने समझाया कि शास्त्रों में गाय और बछड़े का निस्वार्थ वात्सल्य सर्वश्रेष्ठ माना गया है, क्योंकि गाय को अपने बछड़े से कोई अपेक्षा नहीं होती, जबकि मनुष्य प्रायः स्वार्थवश उपकार करता है। उन्होंने यह भी बताया कि जैन धर्म में अहिंसा, करुणा और दया का विशेष महत्व है। सोलह कारण भावना और बारह भावनाओं का चिंतन करके ही मोक्ष और मुक्ति की प्राप्ति संभव है। मुनिश्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि पूर्व जन्मों में बाहुबली, भीम और श्रीकृष्ण ने दिगंबर मुनियों की सेवा कर आहार दिया था, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें बलशाली शरीर प्राप्त हुआ। मुनिश्री ने अंत में सभी से आग्रह किया कि हम भी संतों की तरह अपने हृदय को करुणा और दया से भरें, दूसरों की मदद के लिए तत्पर रहें और निस्वार्थ सेवा करते रहें। यही वात्सल्य दिवस मनाने की वास्तविक सार्थकता है।